Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology.
D.B. College Jaynagar.
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-I (Gen./Sub.)
Date:- 08-07-2020
Lecture No. - 14

Remembering and Foregetting

Kinds-Sensory

संवेदी स्मृति (Sensory Memory) :-

संवेदी स्मृति वैसे संचयन स्मृति को कहा जाता है जिससे सूचनाओं को समान्यत, एक सेकेण्ड या उससे कम अवधि के लिए व्यक्ति रख पाता है। संवेदी स्मृति के कारण ही व्यक्ति के सामने से उद्दीपक हट जाने के बाद भी उसका चिन्ह थोड़े समय के लिए बना रहता है। इसी लिए इसे संवेदी संचयन (Sensory-Storage) या संवेदी रजिस्टर (Sensory Register) भी कहा जाता है। यह दो प्रकार की होती है।

(i) A प्रतिमा-सम्बन्धित स्मृति (Iconic Memory)

नाईसर के अनुसार प्रतिमा-सम्बन्धी स्मृति एक दृष्टि ~~संबंधी स्मृति~~ संवेदी स्मृति (Visual Sensory memory) है जिसमें व्यक्ति के सामने उद्दीपक हटा लेने के बाद भी उसकी दृष्टि छवि (Impressions) कुछ समय के लिए उसके मन में बनी रहती है। प्रतिमा संबंधी स्मृति के अस्तित्व को दिखाने के लिए स्पराँलिंग (Sperling, 1960) ने सबसे पहला प्रयोग किया।

(B) प्रतिध्वनिक स्मृति (Echoic Memory) :-

प्रतिध्वनिक स्मृति एक संवेदी श्रवण स्मृति (Sensory auditory memory) है। इस स्मृति

मैं श्रवण उद्दीपक के समाप्त हो जाने के बाद भी व्यक्ति अल्प समय के लिए उसकी श्रवण छवि का अनुभव करता है। इस स्मृति पर मसारो, डार्विन, टर्वे, क्राउडर आदि ने प्रयोगात्मक अध्ययन किया है।